सावन के पड़ गए झूले ...

सावन के पड़ गए झूले, वृन्दावन छाई बहार,
वृन्दावन छाई बहार (2), वृन्दावन छाई बहार ।।

मोर पपीहा बोले, कहीं नाच रहे हैं मोरवा,
और पड़ रही मन्द फुहार ।।

सोने की पटड़ी सोहे, रेशम की डोरी सोहे,
मोतियन की लड़ी अपार ।।

फूली इक-इक डारी, कहीं बोले कोयल कारी,
जैसे गाते गीत मल्हार ।।

अब आए हैं गिरधारी, संग सोहें राधा प्यारी,
कैसो अद्भुत बन्यो सिंगार ।।

दीन्हे हैं दोऊ गल बहियाँ, ये झूलें कदम्ब की छाईंयां,
कैसी छाई अजब बहार ।।

http://www.govindbhargav.in